सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

पो.रजि. नं. आरजे/एजे/211/2025-27

PRGI. No. RAJBIL/2023/88629

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

खबरों के लिए स्कैन करें

वर्ष 4 | अंक 1 | अजमेर, गुरुवार 25 जून 2026 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

भारत आने वाले 11 जहाजों ने होर्मुज किया पार, भारत के 10 जहाज अभी भी खाड़ी क्षेत्र में : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संघर्ष समाप्त करने के लिए अमरीका और ईरान के बीच 17 जून को हुए समझौते के बाद से भारत आने वाले 11 विभिन्न टैंकरों ने होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार किया है जबकि भारतीय ध्वज वाले दस टैंकर अभी भी खाड़ी क्षेत्र में फंसे हुए हैं और दो ने अभी होर्मुज को पार कर खाड़ी क्षेत्र में प्रवेश किया है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

जायसवाल ने मीडिया ब्रीफिंग में होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति से जुड़े सवालों के जवाब में कहा कि 17 जून को अमेरिका और ईरान के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये जाने के बाद से भारत आने वाले कुल 11 जहाजों ने होर्मुज को सुरक्षित पार किया है।उन्होंने कहा कि भारतीय ध्वज वाले दस जहाज अभी भी खाड़ी क्षेत्र में फंसे हैं और उनके भी जल्द लौटने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भारत के दो और जहाज अभी होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर खाड़ी क्षेत्र में गये हैं। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में दोनों तरफ से जहाजों का आवागमन शुरू हो गया है।प्रवक्ता ने कहा कि भारत में आने वाले 11 जहाजों में से तीन भारतीय ध्वज वाले

हैं जिनमें से प्रत्येक पर दो लाख 85 हजार टन कच्चा तेल लदा है। एक विदेशी टैंकर पर एलपीजी और दूसरे विदेशी जहाज पर कच्चा तेल लदा है। इसके अलावा छह बल्क कैरियर भी भारत आ रहे हैं जिनमें उर्वरक लदा है।उल्लेखनीय है कि अमेरिका और ईरान ने 17 जून को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना भी शामिल है। इस मार्ग से वैश्विक तेल और गैस का लगभग 20 प्रतिशत हिस्से का व्यापार होता है। होर्मुल के खुलने से कच्चे तेल का आयात करने वाले भारत सहित अनेक देशों को राहत मिली है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला : एसआईटी ने शासन को सौंपी 150 पन्नों की प्रारंभिक रिपोर्ट

लखनऊ। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले की जांच के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंप दी है।एसआईटी के चेयरमैन और लखनऊ मंडलायुक्त आईएएस विजय विश्वास पंत ने मंगलवार को अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद को रिपोर्ट सौंपी। मुख्यमंत्री ने राम मंदिर ट्रस्ट की सिफारिश पर 14 जून को एसआईटी का गठन किया था और 15 दिन में जांच पूरी करने का समय दिया था। टीम ने अयोध्या में छह दिनों तक राम मंदिर परिसर में जांच की।एसआईटी के चेयरमैन विजय विश्वास पंत ने कहा कि अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव को सौंप दी है। जो भी फाइंडिंग थी उसको शामिल किया गया है। अभी इसके बारे में इससे ज्यादा कुछ नहीं बताया जा सकता है। विशेष जांच दल में चेयरमैन लखनऊ कमिश्नर विजय विश्वास पंत, पुलिस महानिरीक्षक लखनऊ रेंज किरण शिवकुमार और यूपी फाइनेंस एंड अकाउंट्स सर्विस के विशेष सचिव (वित्त) नीलरतन कुमार शामिल हैं।सूत्रों के मुताबिक SIT की रिपोर्ट करीब 150 पन्नों की है। इसमें 150 लोगों से पूछताछ का विवरण शामिल है। टीम ने सिफारिश की है कि मंदिर की व्यवस्था के लिए किसी वरिष्ठ अधिकारी को सीईओ नियुक्त किया जाए।सूत्रों ने बताया कि एसआईटी ने विस्तृत जांच के लिए और समय देने की भी सिफारिश की है। प्रारंभिक जांच में कई बिंदुओं पर गहन पड़ताल की जरूरत बताई गई है। गौरतलब है कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद राम मंदिर ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री से एसआईटी गठित कर जांच कराने का अनुरोध किया था।

मोदी शीघ्र करेंगे पचपदरा रिफाइनरी का शुभारंभ : भजनलाल शर्मा

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजस्थान के बालोतरा जिले में पचपदरा रिफाइनरी का शीघ्र शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री आवास पर पचपदरा रिफाइनरी सह पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक के बाद कहा कि प्रधानमंत्री शीघ्र ही रिफाइनरी का शुभारंभ करेंगे।उन्होंने इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों एवं एचआरआरएल प्रबंधन से रिफाइनरी की प्रगति एवं संचालन के संबंध में विस्तृत जानकारी लेते हुए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान किए।उन्होंने कहा कि पचपदरा रिफाइनरी से राजस्थान देश की ऊर्जा सुरक्षा का मजबूत स्तंभ बनेगा और यह परियोजना प्रदेश का ग्रोथ इंजन साबित होगी। मुख्यमंत्री को एचआरआरएल प्रबंधन ने पचपदरा रिफाइनरी से निकल रहे विभिन्न उत्पादों के नमूने भेंट किए। इसके साथ ही उन्होंने रिफाइनरी का मॉडल और इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाती हुई बुकलेट भी प्रस्तुत की।इस दौरान एचआरआरएल प्रबंधन ने मुख्यमंत्री की निगरानी की सराहना की।

उन्होंने कहा कि एचआरआरएल एवं राज्य सरकार के अधिकारियों ने टीम भावना से निरंतर कार्य किया है। मुख्यमंत्री के सतत मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के फलस्वरूप कुछ ही समय के अंतराल में रिफाइनरी संचालन के लिए पुनः तैयार हो गई है। आधा दर्जन से अधिक यूनिट्स कार्य कर रही हैं और उत्पादन प्रारंभ हो चुका है।इस अवसर पर मुख्य सचिव वी श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया एवं एचआरआरएल प्रबंधन तथा अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।उल्लेखनीय है कि इससे पहले मोदी रिफाइनरी का उद्घाटन गत 21 अप्रैल को करने वाले थे लेकिन एक दिन पहले रिफाइनरी की क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट में अचानक आग लग जाने से कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया था।

भगवंत मान के कथित वायरल वीडियो विवाद में नया खुलासा, होटल में तैयार कराई गई फोरेंसिक रिपोर्ट

चंडीगढ़/गुरुग्राम। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के कथित वायरल वीडियो को लेकर चल रहे विवाद में नया मोड़ आ गया है और आरोप है कि राज्य के दो वरिष्ठ अधिकारियों ने गुरुग्राम स्थित एक फाइव स्टार होटल में बैठक कर वीडियो को डीपफेक साबित करने के लिए फोरेंसिक रिपोर्ट तैयार करवाई थी। इस मामले से जुड़ा कथित सीसीटीवी फुटेज और व्हाट्सएप चैट सामने आने के बाद विवाद और गहरा गया है।आरोप के

अनुसार 16 जून को गुरुग्राम के क्राउन प्लाजा होटल में हुई बैठक में पांच लोग मौजूद थे। इनमें दो मुख्य आरोपी, एक शिकायतकर्ता और पंजाब पुलिस के दो वरिष्ठ अधिकारी शामिल बताये जा रहे हैं। आरोप है कि इस बैठक का उद्देश्य मुख्यमंत्री के कथित वायरल वीडियो की जांच को प्रभावित करना और उनके पक्ष में रिपोर्ट तैयार करवाना था।मामले में शिकायतकर्ता और फोरेंसिक विशेषज्ञ जसप्रीत सिंह ने आरोप लगाया है कि उनसे 10 लाख रुपए की डील की गई थी। उनका दावा है कि साइबर यान और सिफर सेंटिनल लैब से रिपोर्ट तैयार करवाई गई, जबकि ये लैब सरकारी मान्यता प्राप्त नहीं हैं।सामने आई कथित व्हाट्सएप चैट में रिपोर्ट के कुछ हिस्सों में बदलाव, तकनीकी टिप्पणियों को संशोधित करने और निष्कर्ष को मजबूत बनाने जैसी चर्चाएं दिखाई देने का दावा किया गया है। इन चैट्स और सीसीटीवी फुटेज की हालांकि स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।गुरुग्राम पुलिस इस मामले में दो युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर रही है। मामले को लेकर अब तक संबंधित अधिकारियों या पंजाब सरकार की ओर से कोई विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। जांच पूरी होने के बाद ही आरोपों की सच्चाई स्पष्ट हो सकेगी।

भीलवाड़ा में नगर निगम ने सीज किए कोचिंग सेंटर और रेस्टोरेंट

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा में नगर निगम के अग्नि और अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने मंगलवार को एक कोचिंग सेंटर और एक रेस्टोरेंट की अचानक जांच कर उन्हें सीज कर दिया।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रभारी संजय खोखर ने भारी जाब्ते के साथ बडला चौराहा पर संचालित 'राजस्थान कोचिंग सेंटर' की औचक जांच की। वहां अग्निशमन के पुख्ता इंतजाम नहीं देखे गए। उचित साधन और अग्नि अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) न मिलने पर दल ने सख्त रुख अपनाते हुए कोचिंग सेंटर को मौके पर ही सीज करके ताला ठोक दिया।इसके बाद निगम का दस्ता सीधे सांवरिया रेस्टोरेंट पहुंचा। यहां भी आग बुझाने के पर्याप्त प्रबंध नहीं मिलने पर इस रेस्टोरेंट को भी तुरंत सीज कर दिया गया।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित

नई दिल्ली। सरकार ने देश के सर्वोच्च राष्ट्रीय बाल सम्मान प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए हैं।महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि देश का यह प्रतिष्ठित सम्मान 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के उन बच्चों

को दिया जाता है जिन्होंने बहादुरी, समाज सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियां हासिल की हैं। मंत्रालय ने इस संबंध में एक विवरण में बताया कि राष्ट्रपति द्वारा प्रतिवर्ष वीर बाल दिवस (26 दिसंबर) के अवसर पर यहां आयोजित विशेष समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है। वर्ष 2019 में इसकी शुरूआत के बाद से अब तक 203 बच्चों को इस सम्मान से नवाजा जा चुका है। पुरस्कार के तहत पदक, प्रमाण-पत्र और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किये जाते हैं।प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए भारतीय नागरिक तथा भारत के निवासी 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे आवेदन कर सकते हैं। नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी स्वयं अथवा किसी व्यक्ति एवं संस्था की ओर से नामित किए जा सकते हैं।सभी आवेदन एवं नामांकन भारत सरकार के राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन जमा किए जा सकते हैं। सरकार ने लोगों से ऐसे प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान कर उनके नामांकन भेजने की अपील की है, ताकि उनकी प्रेरक उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिल सके।

सम्पादकीय

लापरवाही की लपटों में जलती जिंदगी: कब जागेगा तंत्र?

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया, बल्कि शासन-प्रशासन की संवेदनहीनता, नियामक संस्थाओं की निष्क्रियता और व्यवस्था की खोखली पड़ चुकी जवाबदेही को भी उजागर कर दिया है। इस दुर्घटना में कोचिंग सेंटर के अनेक विद्यार्थियों की असामयिक मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि उस सड़ी-गली व्यवस्था का परिणाम है, जो हर त्रासदी के बाद कुछ दिनों तक सक्रिय दिखती है और फिर गहरी नींद में सो जाती है। राजकोट के गेमिंग जोन में आग, दिल्ली के शिशु अस्पताल में नवजातों की मौत, दिल्ली के होटल अग्निकांड, मुजफ्फरपुर अस्पताल की दुर्घटना और अब लखनऊ का अग्निकांड-इन घटनाओं की श्रृंखला बताती है कि भारत में मानव जीवन का मूल्य लगातार घटता जा रहा है। हर बार वही बयान सुनाई देता है-ह्यदोषियों को बख्शा नहीं जाएगाह्न, ह्यजांच के आदेश दे दिए गए हैंह्न, ह्यकड़ी कार्रवाई होगीह्न। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जांच और मुआवजा ही शासन का अंतिम दायित्व है? क्या सरकारें केवल दुर्घटना के बाद शोक व्यक्त करने और मुआवजा बांटने के लिए हैं? इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर। लखनऊ की जिस इमारत में आग लगी, वहां कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यह अत्यंत गंभीर प्रश्न है कि क्या उस भवन को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त था? क्या भवन निर्माण मानकों का पालन किया गया था? क्या वहां आपातकालीन निकास मार्ग उपलब्ध थे? यदि थे, तो वे उपयोग में क्यों नहीं आए? और यदि नहीं थे, तो इतने लंबे समय तक प्रशासन की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी? यह केवल भवन स्वामी की लापरवाही नहीं है। यदि कोई व्यावसायिक संस्थान नियमों की अनदेखी करते हुए वर्षों तक संचालित होता रहता है, तो स्पष्ट है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक तंत्र की मौन सहमति या भ्रष्ट गठजोड़ सक्रिय है। आखिर नगर निगम, विकास प्राधिकरण, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी क्या है? क्या उनका कार्य केवल लाइसेंस जारी करना और औपचारिक निरीक्षण करना भर रह गया है? या कमियों को ढंकते हुए अपनी जेबें गर्म करते रहना है?वास्तविकता यह है कि देश के अधिकांश शहरों में सार्वजनिक सुरक्षा भगवान भरोसे है। ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो रही हैं, लेकिन उनमें सुरक्षा मानकों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। बहुमंजिला भवनों में अक्सर एक ही प्रवेश एवं निकास मार्ग होता है। अग्निशमन उपकरण या तो अनुपस्थित होते हैं या वर्षों से निष्क्रिय पड़े रहते हैं। आपदा प्रबंधन की कोई नियमित मॉक ड्रिल नहीं होती। भवनों में क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश दिया जाता है। नियम पुस्तकों में सुरक्षा व्यवस्था भले मौजूद हो, लेकिन जमीन पर उसकी स्थिति नगण्य है। इस विडम्बना का सबसे दुखद पक्ष यह है कि हर बड़ी दुर्घटना के बाद जांच समितियां गठित होती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, लेकिन उन रिपोर्टों पर अमल नहीं होता। उपहार सिनेमा अग्निकांड से लेकर राजकोट और लखनऊ तक, देश ने अनेक त्रासदियों से सबक लेने की बात कही, परंतु व्यवस्था ने कुछ नहीं सीखा। प्रशासन की स्मृति अत्यंत अल्पकालिक हो चुकी है। कुछ दिनों तक छापेमारी, निरीक्षण और नोटिस जारी करने का नाटक चलता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है।यह स्थिति केवल प्रशासनिक अक्षमता की नहीं, बल्कि नैतिक पतन की भी है। भ्रष्टाचार ने सुरक्षा व्यवस्था की आत्मा को खोखला कर दिया है। निरीक्षण करने वाले अधिकारी सुविधा शुल्क लेकर आंखें मूंद लेते हैं। भवन स्वामी अधिक लाभ कमाने के लिए सुरक्षा उपायों की उपेक्षा करते हैं। परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक अपनी जान गंवाते हैं।

ममता बनर्जी ने फिरहाद हाकिम, अरूप विश्वास, अरूप रॉय समेत आठ वरिष्ठ नेताओं को तृणमूल से निकाला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को फिरहाद हाकिम, अरूप विश्वास, अरूप रॉय और जावेद खान सहित आठ वरिष्ठ नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया।यह बड़ी कार्रवाई तृणमूल के कालीघाट गुट द्वारा इन नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने के अगले ही दिन की गई है।पार्टी के सूत्रों का कहना है कि इन नेताओं के नोटिस का जवाब आने से पहले ही उन पर यह अनुशासनात्मक कार्रवाई कर दी गई है। पार्टी से निकाले गए नेताओं में फिरहाद हाकिम, अरूप विश्वास, अरूप रॉय, जावेद खान, रथिन घोष, बिप्लव मित्रा, सबीना यास्मिन और स्नेहाशीष चक्रवर्ती के नाम शामिल हैं।बनर्जी ने यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि ये सभी नेता तृणमूल के ही एक बागी विधायक ऋतब्रत बनर्जी के गुट से हाथ मिला चुके हैं। ऋतब्रत बनर्जी का यह बागी गुट खुद को ही असली तृणमूल कांग्रेस बता रहा है। इनमें से कई नेता तो पहले ही ऋतब्रत के खेमे में शामिल हो चुके

थे और बागी गुट ने उन्हें अपने नए संगठन में बड़े पदों की जिम्मेदारी भी सौंप दी है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में यह हलचल सोमवार को तब और तेज हो गई, जब हाकिम और विश्वास जैसे दिग्गज नेताओं को कोलकाता के एक बड़े होटल में बागी गुट की एक खास बैठक में देखा गया। इस बैठक में हावड़ा के विधायक अरूप रॉय, पूर्व मंत्री स्नेहाशीष चक्रवर्ती और सबीना यास्मिन भी पहुंचे थे, जिससे साफ हो गया था कि पार्टी अब दो टुकड़ों में बंटने की कगार पर पहुंच चुकी है।

बागी गुट ने सोमवार को बजट के बाद न्यू टाउन के एक होटल में अपनी बैठक की और तृणमूल की एक नयी राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति का एलान कर दिया। इस नई कमेटी ने ममता बनर्जी को अध्यक्ष पद से और अभिषेक बनर्जी को राष्ट्रीय महासचिव पद से हटा दिया है।बागी गुट ने बनर्जी की जगह अब अरूप रॉय को अपना नया अध्यक्ष बनाया है, जबकि ऋतब्रत बनर्जी और तीन अन्य नेताओं को महासचिव का पद दिया है। हाकिम और विश्वास, जिन्हें हमेशा से ममता बनर्जी का सबसे करीबी और भरोसेमंद माना जाता था, उन्हें इस बागी गुट ने उपाध्यक्ष बना दिया है।इसके अलावा बनर्जी के पुराने साथी जावेद खान को बागी गुट में महासचिव बनाया गया है। वहीं सक्रिय राजनीति से संन्यास ले चुके स्नेहाशीष चक्रवर्ती भी इस बगावती बैठक में शामिल नजर आए।राजनीति के जानकारों का मानना है कि तृणमूल कांग्रेस के इतिहास में यह अब तक का सबसे बड़ा आंतरिक टकराव है। ऋतब्रत बनर्जी ने इशारा किया है कि आने वाले दिनों में ममता गुट के कई और बड़े नेता उनके साथ आ सकते हैं, जिससे बंगाल की राजनीति में और बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

मेघालय के पूर्व कांग्रेस विधायक महेंद्रो रापसांग भाजपा में शामिल

शिलांग। मेघालय में कांग्रेस के पूर्व विधायक महेंद्रो रापसांग मंगलवार को यहां औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए।रापसांग अपने समर्थकों के साथ मेघालय राज्य भाजपा अध्यक्ष रिकमैन जी. मोमिन और कैबिनेट मंत्री सनबोर शुलई समेत कई अन्य नेताओं की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए।रापसांग ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मेघालय और भारत की प्रगति के लिए काम करने के उद्देश्य से भाजपा में शामिल हुआ हूं। हम अपनी इस साझा यात्रा को मेघालय और भारत के लिए प्रगति, समृद्धि तथा गौरव की कहानी बनाने का प्रयास करेंगे।पूर्व कांग्रेस विधायक ने 2023 का विधानसभा चुनाव नेशनल पीपल्स पार्टी (एनपीपी) के चिन्ह पर लड़ा था। तब वह यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी के वरिष्ठ नेता पॉल लिंगदोह से 3,485 मतों के अंतर से हार गए थे।उन्होंने कहा कि अब मेरा ध्यान जमीनी स्तर की आकांक्षाओं पर होगा। भाजपा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमें लोगों की आकांक्षाओं को सुनना चाहिए। मैं इसी उद्देश्य के साथ इसे आगे ले जाऊंगा। मैं

लोगों के कल्याण के लिए ईमानदारी से काम करने के प्रति प्रतिबद्ध रहूंगा।इस बीच मेघालय प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने संकेत दिया कि राज्य के और भी राजनीतिक नेता भाजपा में शामिल होंगे। इस संबंध में उन्होंने और अधिक विवरण देने से इनकार कर दिया। साठ सदस्यीय मेघालय विधानसभा में सत्तारूढ़ नेशनल पीपल्स पार्टी (एनपीपी) के नेतृत्व वाली सरकार की छोटी सहयोगी भाजपा के दो विधायक अलेक्जेंडर लालू हेक और सनबोर शुलई हैं।

तमिलनाडु सरकार ने दीप-स्तंभ में दीप जलाने के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाता खटखटाया

नई दिल्ली। तमिलनाडु सरकार ने मदुरै जिले में थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर एक दरगाह के पास पत्थर के खंभे के ऊपर कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति देने वाले मद्रास हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रूख किया है।राज्य सरकार ने हाई

कोर्ट की मदुरै खंडपीठ के छह जनवरी के फैसले को चुनौती देते हुए एक स्पेशल लीव पिटिशन (एसएलपी) दायर की है। इस फैसले में पिछले साल दिसंबर में एकल न्यायाधीश के उस आदेश को बरकरार रखा गया था जिसमें उस जगह पर दीप प्रज्वलन करने की अनुमति दी गई थी।तमिलनाडु सरकार ने 11 जून को उच्चतम न्यायालय का रुख किया और मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी जिसमें थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर एक दरगाह के पास मौजूद पत्थर के दीप-स्तंभ 'दीपा थून' पर 'कार्तिगई दीपम' जलाने की अनुमति दी गई थी।यह विवाद तब शुरू हुआ जब भक्तों ने इस परंपरा को जारी रखने की अनुमति मांगी जबकि राज्य के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग ने इसका विरोध करते हुए कहा कि उस जगह पर दीपक जलाने की कोई स्थापित परंपरा नहीं है।हाई कोर्ट के एक न्यायाधीश ने श्रद्धालुओं की याचिका को मंजूरी देते हुए कहा कि इस प्रथा से दरगाह के अधिकारों पर कोई असर नहीं पड़ता और इसे रोकने से श्रद्धालुओं के धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। बाद में, अदालत ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सीआईएसएफ की सुरक्षा में दीया जलाने की व्यवस्था करें।बाद में एक खंडपीठ ने इन आदेशों को बरकरार रखा। खंडपीठ ने यह भी कहा कि इस रस्म से कानून-व्यवस्था की कोई समस्या नहीं होगी और राज्य के उस दावे को खारिज कर दिया कि दीपा थून महज ब्रिटिश-कालीन सर्वे का पत्थर था। राज्य सरकार ने अब शीर्ष अदालत में इन फैसलों को चुनौती दी है।

धौलपुर नगर परिषद के आयुक्त गुमान सिंह सैनी निलम्बित

धौलपुर। राजस्थान में धौलपुर नगर

परिषद के कार्यवाहक आयुक्त एवं अधिशासी अभियंता गुमान सिंह सैनी को बुधवार को निलंबित कर दिया गया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को कथित रिश्वतखोरी के मामले में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के बाद राजस्थान सरकार के स्वायत्त शासन विभाग ने यह कार्रवाई की है।परिषद सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार वायरल वीडियो के साथ ही सैनी पर नगर परिषद से जुड़े एक ठेकेदार के सुपरवाइजर हेमंत सिंह से करीब 40 हजार रुपए की रिश्वत लेने के आरोप लगाए गए थे।मामला सामने आने के बाद विभागीय स्तर पर इसे गंभीरता से लिया गया। सैनी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी प्रस्तावित की गई है। जिला कलेक्टर ने कार्यवाहक आयुक्त को कार्य मुक्त करके विष्णु परमार को आयुक्त का प्रभार सौंपा है।

बिहार में रिश्वत के जुर्म में महिला दारोगा को कठोर कैद की सजा

पटना। बिहार की राजधानी पटना की एक विशेष अदालत ने रिश्वत लेने के जुर्म में मंगलवार को बिहार पुलिस की एक महिला दारोगा को तीन वर्ष सश्रम कारावास की सजा के साथ दस हजार रूपए का जुमार्ना भी किया है।निगरानी के विशेष न्यायाधीश अतुल कुमार सिंह ने मामले में सुनवाई के बाद वैशाली जिले के हाजीपुर नगर थाना की तत्कालीन दारोगा पूनम कुमारी को भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा सात में दोषी करार देने के बाद यह सजा सुनाई है। जुमार्ने की राशि अदा नहीं करने पर दोषी को तीन माह अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी।मामले के विशेष लोक अभियोजक विजय भानु उर्फ पुट्टू बाबू ने बताया की विशेष निगरानी इकाई का यह पहला मामला है, जिसमें फैसला आया है और दोषी को सजा सुनाई गई है। उन्होंने बताया कि मामला विशेष निगरानी इकाई थाना कांड संख्या 6/ 2024 के रुप में दर्ज किया गया था।उन्होंने बताया कि

शिकायतकर्ता एक बस सर्विस एजेंसी का मैनेजर था। बस सर्विस एजेन्सी की एक बस पुलिस ने जब्त की थी, जिसे छोड़ने के लिए प्रतिवेदन भेजने के एवज में दोषी महिला दारोगा दस हजार रुपए की रिश्वत की मांग कर रही थी।निगरानी की विशेष इकाई में शिकायत मिलने के बाद आरोप का सत्यापन किया गया और उसके बाद एक धावा दल का गठन कर धावा की कार्रवाई की गई और दोषी महिला दारोगा को 14 नवंबर 2024 को हाजीपुर स्थित उसके आवास पर शिकायतकर्ता से दस हजार रुए की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों गिरफ्तार किया गया था।इस मामले में अभियोजन ने आरोप साबित करने के लिए चौदह गवाहों का बयान अदालत में कलम बंद करवाया था। दोषी गिरफ्तारी के बाद से ही जेल में थी तथा बीच में उच्चतम न्यायालय के आदेश से कुछ दिनों के औपबंधिक जमानत पर जेल से बाहर आई थी, लेकिन बाद मे फिर उच्चतम न्यायालय ने उसकी जमानत रद्द कर दी थी।

बीकानेर के खाजूवाला में 13 साल की बालिका के हाथ पैर बांधकर रेप

बीकानेर। राजस्थान में बीकानेर जिले के खाजूवाला थाना क्षेत्र में एक 13 वर्षीय बालिका से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने बालिका के हाथ-पैर बांधकर उससे दो बार दुष्कर्म किया। घटना के समय बालिका की मां मजदूरी पर गयी हुई थी। बालिका घर में खेल रही थी, तभी गांव का ही एक युवक घर में घुस आया।प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 जून को बालिका की मां ने पुलिस को शिकायत की कि वह सुबह जब मजदूरी के लिए निकली तो उसके कुछ ही देर बाद आरोपी युवक घर में घुस गया। वह खेल रही बालिका को जबरन उठाकर कमरे में ले गया और उसके हाथ-पैर बांध दिए। फिर दो बार दुष्कर्म किया। जाते समय आरोपी ने बालिका को जान से मारने की धमकी दी।घटना सामने आने के बाद पुलिस और प्रशासन तुरंत सक्रिय हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक स्तर की एक महिला अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचीं। उन्होंने पूरे घटनाक्रम का जायजा लिया, मौके का निरीक्षण किया और जांच से जुड़े अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज करके आरोपी की तलाश तेज कर दी है।

बालोतरा जिले में भू-अभिलेख निरीक्षक 20500 रुपए रिश्वत लेते अरेस्ट

बालोतरा। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को बालोतरा जिले की गुड़ामालानी तहसील में सर्किल नगर भू-अभिलेख निरीक्षक (आरआई) नारायण लाल को 20 हजार 500 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी बाड़मेर को शिकायत मिली कि परिवादी के पिता सह-परिवादी चैनाराम के कृषि भूमि की नेखमबन्दी करने की ऐवज में परिवादी से 30 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की जा रही है। इस पर शिकायत के सत्यापन के समय आरोपी ने चार हजार रुपए प्राप्त किये एवं शेष रिश्वत के 26 हजार रुपए देना तय हुआ।इस पर एसीबी इकाई बाड़मेर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र कुमार द्वारा एसीबी इकाई बाड़मेर कि टीम के साथ ट्रेप कार्यवाही करने पर आरोपी नारायणलाल ने परिवादी एवं सह-परिवादी से 26 हजार रुपए की रिश्वत प्राप्त की और इस दौरान सह-परिवादी के आग्रह पर इसमें 5500 रुपए वापस कर दिए।उसी समय नारायणलाल को 20 हजार 500 रुपए की रिश्वत के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी से पूछताछ तथा कार्रवाई जारी हैं। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

देवरिया में झाड़-फूंक के नाम पर महिला से रेप, तथाकथित तांत्रिक अरेस्ट

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले के बनकटा थाना क्षेत्र में झाड़-फूंक के नाम पर एक महिला के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने एक तथाकथित तांत्रिक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी भाटपार रानी अंशुमान श्रीवास्तव ने सोमवार को बताया कि क्षेत्र के एक गांव की महिला अपने बीमार बच्चे का झाड़-फूंक कराने के लिए तथाकथित तांत्रिक व्यासमुनि पाण्डेय के पास गई थी। आरोप है कि आरोपी ने बच्चे को पूरी तरह ठीक करने का झांसा देकर महिला के साथ दुष्कर्म किया।

घटना की जानकारी मिलने पर महिला के पति की तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में विधिक कार्रवाई की गई है।उसे न्यायालय में पेश किए जाने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

हनुमानगढ़ में एआई से आपत्तिजनक वीडियो बनाकर युवक से लाखों रुपए ऐंठे

हनुमानगढ़। राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले के फेफाना थाना क्षेत्र में एक युवक को उसकी कृत्रिम बुद्धमत्ता (एआई) से बनाई गई आपत्तिजनक वीडियो और फोटो डिलीट करवाने के नाम पर ब्लैकमेलिंग करके लाखों रुपए ऐंठने का मामला सामने आया है।पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि पीड़ित युवक ने मंगलवार देर शाम मामला दर्ज कराते हुए पुलिस को बताया कि उसे अज्ञात व्यक्तियों द्वारा पिछले दो महीने से ब्लैकमेल किया जा रहा है। गत 22 अप्रैल को ब्लैकमेलिंग का सिलसिला शुरू हुआ और उससे अब तक लाखों रुपए अज्ञात व्यक्ति ऑनलाइन विभिन्न बैंक खातों से ले चुके हैं।पुलिस ने बताया कि 22 अप्रैल को किसी व्यक्ति ने पीड़ित युवक को उसकी अश्लील वीडियो और फोटो होने की धमकी देते हुए उसे डिलीट करने की एवज में 15 हजार और फिर 18 हजार रुपए ऐंठ लिए। इसके बाद यह सिलसिला निरंतर शुरू हो गया।कुछ दिन पहले अज्ञात आरोपियों ने उसे मोबाइल फोन पर उसका अश्लील वीडियो और फोटो भी भेजा, जो देखने पर पता चला कि इसे एआई द्वारा बनाया गया है। आरोपी उसे बार-बार धमकी दे रहे हैं कि रुपए नहीं दिए तो वे उसका फोटो और वीडियो सोशल मीडिया में वायरल कर देंगे। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

चित्तौड़गढ़ में स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार का भंडाफोड़

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ के कोतवाली थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक होटल में चल रहे स्पा सेंटर की आड़ में विदेशी युवतियों से वेश्यावृत्ति करवाने के मामले का भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है।पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने मंगलवार को बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि ब्लू हेवन स्पा में लाइसेंस की आड़ में विदेशी युवतियों से देह व्यापार करवाया जा रहा है। इस पर एक पुलिसकर्मी को एक नकली ग्राहक बना कर स्पा सेंटर भेजा गया, जिसके इशारे पर पुलिस दल ने छापा मारा।उन्होंने बताया कि छापेमारी के दौरान स्पा संचालक राहुल मेघवाल को मौके से पकड़ा गया। पुलिस ने उसके साथ एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया है।

पुणे के उद्योगपति के बेटे की मौत की वजह ट्रेकिंग के दौरान गिरना नहीं, मंगेतर के प्रेमी ने दिया था धक्का

पुणे। पुणे के प्रमुख उद्योगपति के बेटे केतन अग्रवाल की ट्रेकिंग के दौरान खाई में गिरने से मौत के मामले में एक अहम खुलासा हुआ है जिसमें यह उभर कर सामने आया है कि उसकी मौत गिरने से नहीं बल्कि खाई में धकेलने के कारण हुई थी।पुलिस जांच में यह खुलासा हुआ है कि लोहगढ़ किले में शहर के प्रमुख उद्योगपति के बेटे केतन अग्रवाल की मौत कथित तौर पर एक सुनियोजित हत्या थी। उसे उसकी मंगेतर के प्रेमी ने गहरी खाई में धक्का दिया था और इस हत्याकांड में उसकी मंगेतर भी शामिल है।

केतन अग्रवाल के बारे में पहले खबर आई थी कि लोहगढ़ किले में ट्रेकिंग के दौरान वह तस्वीरें खिंचवा रहे थे और अचानक वह एक खाई में गिर गए। यह घटना 18 जून को हुई थी। इस दिन उनकी मंगेतर का जन्मदिन भी था।शुरूआत में पुलिस अधिकारियों का मानना था कि तस्वीरें लेते समय केतन का पैर दुर्घटनावश फिसल गया और वह नीचे गिर गए। लोनावला ग्रामीण पुलिस को इस मामले की जांच में ऐसे सबूत मिले हैं, जो संकेत देते हैं कि इस घटना को जानबूझकर अंजाम दिया गया था। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि केतन को कथित तौर पर उसकी मंगेतर के एक दोस्त ने खाई में धकेला था। मंगेतर का दोस्त उसका प्रेमी माना जा रहा है। पुलिस अब मामले की जांच इस दृष्टि से कर रही है कि केतन की मंगेतर इस साजिश में सीधे तौर पर शामिल थी या नहीं। केतन की मंगेतर की पहचान सिया गोयल के रूप में हुई है।

अधिकारी इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि क्या इस अपराध को अंजाम देने में अन्य लोगों की मदद भी ली गयी थी।सिया गोयल ने केतन के खाई में गिरने के बाद पुलिस को यह बताया था कि एक फोटो सेशन के दौरान वह खाई में गिर गए थे। बचाव दल ने तीन घंटे तक अभियान चलाकर केतन का शव बरामद किया था। जांच के दौरान पुलिस ने मोबाइल फोन के डेटा, कॉल विवरण और मौके पर मौजूद लोगों के बयानों का विश्लेषण किया।

जांच के निष्कर्षों ने केतन की मौत के हालात को लेकर संदेह पैदा कर दिया। इसके बाद पुलिस ने सिया गोयल और उसके प्रेमीको पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सिया गोयल नहीं चाहती थी कि उसका विवाह केतन अग्रवाल से हो। वह घरवालों द्वारा तय किए विवाह के खिलाफ थी। जांचकताओं का मानना है कि इसी वजह से उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर साजिश रची।लोहगढ़ किले में ट्रेकिंग करने और जन्मदिन मनाने के बहाने केतन को कथित तौर पर उस स्थान पर लाया गया। वहां उसे एक गहरी खाई में धकेल दिया गया। ऊंचाई से गिरने की वजह से केतन की मौत हो गई। मामले की जांच जारी है। पुलिस इस पूरी साजिश का पता लगाने तथा इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है।

कृत्रिम बारिश से दूरी, असली मानसून में शूट हो रही है तुम्बाड 2

मुंबई। वर्ष 2018 की चर्चित हॉरर फिल्म तुम्बाड की तरह उसके सीक्वल तुम्बाड 2 में भी बारिश और प्रकृति कहानी का अहम हिस्सा बनने जा रही है।सूत्रों के अनुसार फिल्म की टीम कृत्रिम बारिश के बजाय वास्तविक मानसून में शूटिंग के लिए महाराष्ट्र के विभिन्न इलाकों में भारी वर्षा वाले स्थानों की तलाश कर रही है, जिससे पहली फिल्म जैसी प्रामाणिकता और रहस्यमयी वातावरण को दोबारा रचा जा सके।सूत्रों के अनुसार ह्यतुम्बाडह्ल की पहचान उसकी रहस्यमयी दुनिया, लगातार बारिश और भयावह वातावरण से बनी थी। इस माहौल को साकार करने के लिए पहली फिल्म की शूटिंग चार अलग-अलग मानसून सीजन में की गई थी। अब तुम्बाड 2 के निमार्ता भी उसी प्रामाणिकता को बनाए रखने के लिए विशेष प्रयास कर रहे हैं।बताया जा रहा है कि अनियमित मानसून के चलते प्रोडक्शन टीम लगातार मौसम की निगरानी कर रही है और अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों के अनुसार अपने शूटिंग कार्यक्रम में बदलाव कर रही है। टीम ने बड़े पैमाने पर कृत्रिम बारिश का उपयोग करने के बजाय वास्तविक बारिश में शूटिंग करने का निर्णय लिया है, जिससे फिल्म का वातावरण अधिक स्वाभाविक और प्रभावशाली बन सके।सूत्रों के मुताबिक फिल्म की टीम महाराष्ट्र के दूरदराज इलाकों में ऐसे स्थानों की तलाश कर रही है जहां भारी वर्षा हो रही हो। कई लोकेशनों तक पहुंचना कठिन है और कलाकारों तथा तकनीकी दल को सेट तक पहुंचने के लिए लंबी पैदल यात्रा भी करनी पड़ रही है।फिल्म से जुड़े सूत्रों का कहना है कि ह्यतुम्बाडह्ल की दुनिया में बारिश हमेशा एक महत्वपूर्ण किरदार रही है और निमार्ता इसे इस बार भी पूरी वास्तविकता के साथ पर्दे पर उतारना चाहते हैं। इसी उद्देश्य से मौसम के पूवार्नुमान के अनुसार शूटिंग कार्यक्रम तय किए जा रहे हैं।तुम्बाड 2 का निर्माण अभिनेता-निमार्ता सोहम शाह की कंपनी सोहम शाह फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म के निर्माण में पेन स्टूडियोज भी साझेदार है। फिल्म का निर्देशन आदेश प्रसाद कर रहे हैं। यह फिल्म 3 दिसंबर 2027 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

Green Arrow Resources Inc. Announces Extension to Private Placement and Update on Consolidation of Common Shares

Green Arrow Resources Inc. (TSXV: GAR.H) (the "Company") today announces an extension to its previously announced non-brokered private placement, which is now expected to close on or before July 15, 2026 (the "Private Placement"). The Company still intends to consolidate its common shares on the basis of five existing common shares for each one new common share and to concurrently complete the Private Placement of up to twenty million post consolidation common shares of the Company at a price of five cents per common share for aggregate proceeds of up to $1,000,000.00

Columbia | The Company intends to use the proceeds from the Private Placement for evaluating potential qualifying transactions and for general working capital. Closing of the Private Placement is subject to a number of conditions, including receipt of all necessary corporate and regulatory approvals, including from the NEX board of the TSX Venture Exchange (the "Exchange"). All securities issued in connection with the Private Placement will be subject to a four-month-and-one-day hold period from the date of issuance, in accordance with applicable securities laws. The Company may pay finders' fees and/or commissions to eligible persons in connection with the Private Placement in accordance with applicable securities laws and the policies of the Exchange.

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना : अजमेर जिले के 1 हजार 688 वरिष्ठ नागरिक करेंगे तीर्थ यात्रा

केन्द्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने निकाली लॉटरी, ट्रेन से 1504 और हवाईमार्ग से 184 करेंगे यात्रा

अजमेर। देवस्थान विभाग की प्रमुख योजना वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2026 के तहत इस बार जिले के एक हजार 677 तीर्थयात्रियों को रेलमार्ग तथा 205 को हवाईमार्ग से विभिन्न धार्मिक स्थलों की यात्रा करवाई जाएगी। इसके लिए केन्द्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी ने मंगलवार को लॉटरी निकाली।केन्द्रीय कृषि मंत्री चौधरी ने बताया कि इस बार प्रदेश के 50 हजार वरिष्ठ नागरिकों को रेलमार्ग और 6 हजार को हवाईमार्ग से निर्धारित स्थलों पर यात्रा करवाई जाएगी। वहीं अजमेर जिले के 1688 वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना के तहत यात्रा करवाई जाएगी। इसमें 1504 रेलमार्ग द्वारा तथा 184 हवाईमार्ग द्वारा भेजे जाएंगे। विभिन्न यात्राओं के लिए कार्यक्रम का निर्धारण आगामी दिनों में किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा वरिष्ठ नागरिकों की आस्था का सम्मान करते हुए यह यात्रा करवाई जा रही है।उन्होंने बताया कि इस बार हरिद्वार-ऋषिकेश-अयोध्या-वाराणसी-सारनाथ, सम्मेदशिखर-पावापुरी-वाराणसी-सारनाथ, मथुरा-वृंदावन-बरसाना-आगरा-अयोध्या, द्वारकापुरी-नागेश्वर-सोमनाथ, तिरूपति-पद्मावति, कामाख्या-गुवाहाटी, गंगासागर-कोलकत्ता, जगन्नाथपुरी-कोणार्क, रामेश्वरम-मदुरई, वैष्णोदेवी-अमृतसर-बाघा बोर्डर, गोवा के मंदिर एवं अन्य स्थल चर्च आदि, महाकालेश्वर, उज्जैन-ओंकारेश्वर-त्रयम्बकेश्वर-घृष्णेश्वर-एलोरा, बिहार-शरीफ, श्री हूजुर साहिब, नांदेड़, महाराष्ट्र, पटना साहिब और पटना बिहार की यात्रा रेलमार्ग से करवाई जाएगी। वहीं हवाई जहाज द्वारा पशुपतिनाथ-काठमाण्डू (नेपाल) की यात्रा करवाई जाएगी।उन्होंने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा प्रदेश के मूल निवासी वरिष्ठ नागरिकों (60 साल या अधिक आयु के व्यक्ति) को उनके जीवनकाल में एक बार निर्धारित तीर्थ स्थानों में से किसी एक स्थान पर पूर्णतया निःशुल्क यात्रा करवाने की यह संचालित है। गत वर्ष सभी वरिष्ठ नागरिकों को वातानुकूलित रेलगाड़ी में यात्रा करवाई गई।जिला स्तरीय चयन समिति के अध्यक्ष एवं कलक्टर लोक बन्धु ने बताया कि देवस्थान विभाग राजस्थान सरकार के द्वारा वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों की वर्ष 2026-27 के विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्राओं के लिए लॉटरी द्वारा चयन करने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में कम्प्यूटर द्वारा ऑनलाइन लॉटरी के द्वारा लाभार्थियों का चयन किया गया। लॉटरी केन्द्रीय कृषि मंत्री चौधरी ने निकाली।उन्होंने बताया कि इसमें हवाई यात्रा और रेल यात्रा के जिले के लिए निर्धारित कुल कोटे 1688 के अनुसार मुख्य सूचियां (रेल व हवाई की अलग अलग) और उतने ही संख्या में आरक्षित सूची का चयन किया गया। भारतवर्ष में स्थित 15 विभिन्न धार्मिक तीर्थ स्थलों का एयर कंडीशन रेल यात्रा एवं नेपाल स्थित काठमांडू के लिए हवाई यात्रा से यह यात्रा करवाई जाती है। इस वर्ष इसके फॉर्म 27 मई से 10 जून तक ऑनलाइन देवस्थान विभाग के पोर्टल पर भरवाए गए थे। अजमेर संभाग के शेष सभी जिलों की लॉटरी बुधवार 24 और 25 जून को निकाली जाएगी। रेल के द्वारा 1504 यात्री और हवाई मार्ग द्वारा 184 यात्रियों का मुख्य सूची में चयन हुआ है।देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त गौरव सोनी ने बताया कि यह योजना पूर्णतया निःशुल्क है। इसमें चयन के लिए किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जा रहा है। अतः आमजन से अपील है कि किसी भी प्रकार के फर्जी एवं असामाजिक तत्वों आदि के झांसे में नहीं आएं। किसी भी जानकारी के लिए देवस्थान विभाग के कार्यालय अथवा ईमेल पर सम्पर्क किया जा सकता है। इस दौरान देवस्थान विभाग के जितेंद्र तथा पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक कृष्णकुमार एवं प्रद्युम्न देथा और डीओआईटीसी से प्रोग्रामर संतोष कंवर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अजमेर में योग जागरण का विस्तार, विवेकानंद केंद्र ने बढ़ाए नियमित योग केंद्र

अजमेर। स्वस्थ, जागरूक और संस्कारित समाज के निर्माण के उद्देश्य से विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी, शाखा अजमेर द्वारा शहर में दो नए स्थानों पर नियमित निशुल्क योग वर्ग प्रारंभ किए गए हैं। इनमें पहला योग वर्ग धौला भाटा स्थित गुरु नानक स्कूल के समीप लक्ष्मी गार्डन में तथा दूसरा वर्ग श्रीनगर रोड पर राजा साइकिल चौराहे के निकट मेयो कॉलेज के जुनिया गेट के सामने पुलिस चौकी के पास स्थित उद्यान में संचालित किया जाएगा।विवेकानंद केंद्र के नगर प्रमुख अंकुर प्रजापति ने बताया कि विवेकानंद केंद्र द्वारा पूरे वर्ष नियमित रूप से निःशुल्क योग वर्गों का संचालन किया जाता है। इन वर्गों का उद्देश्य योग को जन-जन तक पहुंचाकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देना है।उन्होंने बताया कि वर्तमान में आदर्श नगर स्थित शिव वाटिका सर्कल, सात पिपली बालाजी मंदिर के पास, श्रीराम टावर, भजनगंज, विधायक कार्यालय, नाका मदार, मधुबन कॉलोनी पार्क, आनासागर लिंक रोड स्थित शिवाजी उद्यान, वैशाली नगर के हेडगेवार उद्यान तथा ज्ञान विहार उद्यान सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित योग कक्षाएं संचालित की जा रही हैं।इन योग वर्गों में अनुभवी योग शिक्षकों द्वारा प्रतिदिन योगासन, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार तथा विभिन्न स्वास्थ्यवर्धक अभ्यासों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। सभी आयु वर्ग के नागरिक इन निःशुल्क योग कक्षाओं का लाभ उठाकर शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बना सकते हैं। विवेकानंद केंद्र ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में इन योग वर्गों से जुड़कर योग को अपनी दैनिक जीवनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया है।

हनुमान सिंह राठौड़ बने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान के 41वें अध्यक्ष

अजमेर। शिक्षाविद् हनुमान सिंह राठौड़ ने सोमवार को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान के 41वें अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 को प्रभावी ढंग से लागू करना बोर्ड की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में शामिल होगा और इसके लिए शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा शिक्षा जगत के सभी हितधारकों को साथ लेकर आगे बढ़ना आवश्यक है।बोर्ड अध्यक्ष राठौड़ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति केवल पाठ्यक्रम परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा की संपूर्ण कार्य प्रणाली में गुणात्मक सुधार का माध्यम है। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए पाठ्य पुस्तकों की समीक्षा, शिक्षकों का प्रशिक्षण तथा प्रश्न पत्र निर्माण में बदलाव आवश्यकतानुसार किए जाएंगेउन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के अनुरूप तैयार करना समय की आवश्यकता है और बोर्ड इसी दिशा में कार्य करेगा। मीडिया से बातचीत में राठौड़ ने कहा कि बोर्ड की कार्य प्रणाली पहले से ही सुदृढ़ है और उनका उद्देश्य किसी बड़े बदलाव की बजाए इसे और अधिक प्रभावी तथा परिणामोन्मुख बनाना है, उन्होंने बोर्ड के कर्मचारियों और अधिकारियों की कार्य क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि टीम भावना के साथ कार्य करने से किसी भी चुनौती का समाधान संभव है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान के इतिहास में पहली बार विद्यालयी शिक्षा से सीधे जुड़े किसी शिक्षाविद् को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राठौड़ लम्बे समय से विद्यालयी शिक्षा से जुड़े रहे है।। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देते हुए 25 से अधिक पुस्तको। का लेखन कार्य भी किया है। उनकी नियुक्ति पर शिक्षा, सामाजिक और प्रशासनिक क्षेत्रों में व्यापक स्वागत किया जा रहा है। राठौड़ का अनुभव और शैक्षिक दृष्टि बोर्ड को नई दिशा प्रदान करेगी। इस अवसर पर बोर्ड सचिव नीतू यादव द्वारा अध्यक्ष राठौड़ का स्वागत किया गया।

बोर्ड परिसर में कर्मचारियों एवं अधिकारियो ने उनका पारम्परिक स्वागत किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के महानगर संघ चालक खाजूलाल चौहान, बोर्ड सचिव नीतू यादव, मुख्य परीक्षा नियंत्रक राजेश निर्वाण, वित्तीय सलाहकार केपी सिंह, निदेशक (प्रशासन) राजेन्द्र प्रसाद पारीक, सहायक निदेशक/जनसम्पर्क अधिकारी राजीव चतुर्वेदी तथा शहर के गणमान्य व्यक्तियों में शाहपुरा विधायक लालाराम बैरवा, एबीआरएसएम के नारायण लाल गुप्ता, पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय अजमेर के प्राचार्य प्रो. मनोज बहरवाल, महाराणा प्रताप गौरव केंद्र उदयपुर के प्रभारी अनुराग मंत्रालयिक कर्मचारी संघ की ओर से अध्यक्ष मोहन सिंह रावत महामंत्री, करण सिंह यादव सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

PWD में बड़ी प्रशासनिक पदोन्नति : 18 अधीक्षण अभियंता बने अतिरिक्त मुख्य अभियंता (सिविल)

अजमेर। सार्वजनिक निर्माण विभाग में विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा 18 अधीक्षण अभियंताओं को अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नत किया गया है। इन सभी अधीक्षण अभियंताओं (सिविल) को वरिष्ठता-सह-योग्यता के आधार पर नियमित रूप से अतिरिक्त मुख्य अभियंता (सिविल) के पद पर पदोन्नत किया गया है। इसमें अजमेर में पदस्थापित सार्वजनिक निर्माण विभाग के श्री अशोक कुमार तंवर का भी नाम है। इस विभागीय आदेश के तहत पदोन्नत होने वाले अधिकारियों में रमेश कुमार सिंह, हुकम चन्द बैरवा, ब्रिन्द्रा सिंह, अजय चौधरी, संगीत कुमार, अशोक कुमार तंवर, शिशपाल सिंह, विनीत गुप्ता, सूराराम, सुरेश चन्द पारीक, बस्ती राम डीडेल तथा आशु कुमार गर्ग, महेन्द्र सिंह, मुरारी लाल मीना, सुरेश कुमार शर्मा, देवा राम विश्नोई, अनिल कुमार एवं संदीप अग्रवाल के नाम शामिल हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अजमेर रहेगा)